No. A.15018/1(Circular)/2023-Ad.I
भारत सरकार / Government of India
गृह मंत्रालय / Ministry of Home Affairs
समन्वय निदेशालय पुलिस बेतार
Directorate of Coordination Police Wireless

खण्ड सं-9, के॰ स॰ का॰ परिसर/Block No. -9, C.G.O. Complex,
लोधी रोड, नई दिल्ली/Lodhi Road, New Delhi-3
दिनांक/ Dated: 27th February, 2026

परिपत्र/CIRCULAR

Subject: "Seva Sankalp Resolution" adopted by the Union Cabinet - reg.

In pursuance of Cabinet Secretariat Office Memorandum No. 1/3/1/2026-Cab. dated 25.02.2026 and MHA's O.M. No. 1-34020/4/2026-समन्वय-1 dated 27.02.2026 on the subject cited above, a meeting of officers of this Directorate is scheduled to be held on **02.03.2026 (Monday)** at 11.00 AM, at the **7th Floor, Conference Hall, Hqrs, DCPW.**

2. Accordingly, all Officers/officials of this Directorate posted in Delhi are requested to attend the above meeting, wherein the ***"Seva Sankalp Resolution"*** will be read out. Subsequently, discussions shall be held on the Resolution and methods to implement it.

3. The discussion on implementation of the Resolution may be suitably aligned with the roles and responsibilities of the respective Divisions/Sections of this Directorate.

4. Further, the Coordination Section shall prepare a brief note on the action taken pursuant to the meeting and forward the report to MHA/Cabinet Secretariat by **12:00 noon on 03.03.2026 (Tuesday)**.

5. This issues with the approval of the Competent Authority.

Encls: as above

27/02/2026
(Rajeev Kumar)
Deputy Director (Admn)

Copy to:-

1. PS to Director.
2. PA to Addl. Director(I) / PA to Addl. Director(II).
3. All JDs/DDs/ADs.
4. I/C of All sections HQrs/CPRTI/POLNET Hub/CC(Kartavya Bhawan): to bring into the notice of all staff under their control.
5. AD (IT): for upload on the website of DCPW.
6. File.

सेवा संकल्प प्रस्ताव भारत की विकास यात्रा में एक नया आरंभ 'सेवा तीर्थ' में प्रथम कैबिनेट बैठक।

मंत्रिमंडल ने इस विषय पर निम्नलिखित संकल्प पारित किया:

"आज युगाब्द 5127
विक्रम संवत 2082
शक संवत् 1947
फाल्गुन मास,
शुक्ल पक्ष..
अष्टमी के दिन...
24 फरवरी, 2026 को,

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी की अध्यक्षता में, नए प्रधानमंत्री कार्यालय 'सेवा तीर्थ' में केंद्रीय मंत्रिमंडल की ऐतिहासिक प्रथम बैठक आयोजित हो रही है।

यह बैठक एवं यह भवन नए भारत के नवनिर्माण की एक प्रत्यक्ष अभिव्यक्ति है। इस शुभारंभ के साथ ही हम उस भविष्य का स्वागत कर रहे हैं, जिसके निर्माण में सदियों का श्रम लगा है। आज़ादी के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय साउथ ब्लॉक में इतने दशकों तक सरकारों ने विरासत को संभाला और भविष्य के सपने देखे। हमने एक ऐसे भारत के सपने देखे, जिसकी सोच स्वदेशी हो, स्वरूप आधुनिक हो, और सामर्थ्य अनंत हो। आज ये सेवा तीर्थ उसी संकल्पना का वह मूर्तिमान अवतार है जो लोकतन्त्र की जननी के रूप में भारत के गौरव को बढ़ाएगा।

आज इस अवसर पर इस स्थान के इतिहास को भी स्मरण कर रहे हैं। 'सेवा तीर्थ' उन अस्थायी बैरकों के स्थान पर बना है, जो ब्रिटिश काल के थे। उस स्थान पर राष्ट्र संचालन के सक्रिय संस्थान का निर्माण नए भारत के कायाकल्प का भी प्रतीक है।

गुलामी के कालखंड से पहले भारत की पहचान एक ऐसे राष्ट्र के रूप में होती थी जो एक ओर अपनी भौतिक भव्यता के लिए भी जाना जाता था, और दूसरी ओर अपने मानवीय मूल्यों के लिए। सेवा तीर्थ की संकल्पना इन दोनों ही आदर्शों से मिलकर बनी है। कर्तव्य, सेवा और समर्पण की त्रिवेणी से यह कार्यस्थल एक तीर्थ की भांति पवित्र हो, यह इसकी मूलभावना है।

'सेवा तीर्थ' में हो रही इस पहली बैठक के साथ केंद्रीय मंत्रिमंडल यह संकल्प दोहराता है कि यहां लिया गया हर निर्णय 140 करोड़ देशवासियों के प्रति सेवा-भाव से प्रेरित होगा और राष्ट्र-निर्माण के व्यापक लक्ष्य से जुड़ा होगा।

हमारे लिए संवैधानिक मूल्य उस नैतिक प्रतिबद्धता की अभिव्यक्ति हैं, जो शासन को नागरिक की गरिमा, समानता और न्याय से जोड़ती है। 'सेवा तीर्थ' की कार्य-संस्कृति

इसी आत्मा से संचालित होगी, जहां हर नीति संविधान की मूल भावना के अनुरूप होगी और हर निर्णय देशवासियों की आकांक्षाओं के प्रति उत्तरदायी होगा।

केंद्रीय मंत्रिमंडल यह संकल्प दोहराता है कि इस परिसर में लिया गया प्रत्येक निर्णय 'नागरिक देवो भव' की भावना से प्रेरित होगा। यह स्थान सत्ता के प्रदर्शन का नहीं, वरन् प्रत्येक भारतवासी के सशक्तिकरण का केंद्र बनेगा। सेवा तीर्थ से संचालित शासन का हर प्रयास देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन को सरल बनाने की भावना से जुड़ा रहेगा। हम ये दोहराते हैं कि, हम अपने विज़न के मुताबिक उस गवर्नेंस मॉडल को और मजबूती देंगे, जो पारदर्शी, उत्तरदायी और नागरिक की संवेदनाओं के प्रति सजग हो।

'सेवा तीर्थ' उस गवर्नेंस इंफ्रास्ट्रक्चर की आवश्यकता का उत्तर है, जो जड़ता की जगह गतिशीलता को, उदासीनता की जगह निष्ठा को और संदेह की जगह समाधान को बढ़ावा देता है।

इसी सोच के साथ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में बीते वर्षों में लिए गए निर्णयों ने शासन के उद्‌देश्य को नई स्पष्टता दी है। करोड़ों नागरिकों के जीवन में आए बदलाव ने शासन के प्रति जनता के विश्वास को मजबूत किया है।

बीते एक दशक में 25 करोड़ से अधिक नागरिकों को गरीबी से बाहर निकालकर देश ने असंभव समझे जाने वाले काम को संभव करके दिखाया है। ऐसे अनेक कीर्तिमानों के पीछे सरकार की दूरगामी सोच, व्यापक विज़न और अथक परिश्रम रहा है। आयुष्मान भारत के माध्यम से करोड़ों लोगों को स्वास्थ्य सुरक्षा से जोड़ने का गौरव देश ने हासिल किया है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत करीब 80 करोड़ नागरिकों तक खाद्‌य सुरक्षा पहुंचाकर भुखमरी के अभिशाप का अंत किया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत 12 करोड़ से अधिक शौचालयों के निर्माण से करोड़ों परिवारों और महिलाओं को गरिमापूर्ण जीवन मिला है। ये सभी आंकड़े शासन की उस दिशा का संकेत हैं जहां नीति का अंतिम उद्‌देश्य नागरिक का जीवन सरल बनाना रहा है।

इसी तरह 4 करोड़ से अधिक घरों के निर्माण से करोड़ों परिवारों को सिर पर छत और सुरक्षा मिली है। ग्रामीण क्षेत्रों में जल जीवन मिशन के माध्यम से 12 करोड़ से अधिक नए घरों तक पीने के पानी की पहुंच सुनिश्चित हुई है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल भारत की अर्थव्यवस्था में आए व्यापक परिवर्तनों को एक सतत सुधार-यात्रा के रूप में देखता है। 'मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस' के मंत्र के साथ GST, डीबीटी और डिजिटल इंडिया जैसे सुधारों ने शासन को अधिक पारदर्शी, अधिक सक्षम और अधिक नागरिक-केंद्रित बनाया है। टैक्स मामलों में फ़ेसलेस जांच की प्रक्रिया से ईमानदारी को बढ़ावा मिला है, और आम नागरिकों का भरोसा मजबूत हुआ है। इन्हीं

प्रयासों के परिणामस्वरूप भारत आज विश्व की अग्रणी अर्थव्यवस्थाओं में अपना सशक्त स्थान बना चुका है।

मंत्रिमंडल यह दृढ़ संकल्प लेता है कि 'सेवा तीर्थ' की नई ऊर्जा और 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' की तीव्र गति से, हम निकट भविष्य में विश्व की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में भारत का स्थान सुनिश्चित करने का संकल्प पूरा करेंगे।

आज केंद्रीय मंत्रिमंडल स्वयं को 'विकसित भारत 2047' के राष्ट्रीय संकल्प के प्रति पुनः समर्पित करता है। यह एक दीर्घकालिक राष्ट्रीय यात्रा है, जिसमें आज लिए गए निर्णय आने वाली पीढ़ियों के भविष्य का स्वरूप तय करेंगे। 'सेवा तीर्थ' में हो रही यह पहली बैठक हमें यह स्मरण कराती है कि विकास का लक्ष्य जितना बड़ा है, उसके प्रति हमारी जिम्मेदारी उतनी ही गहरी होनी चाहिए।

यह परिसर केवल एक आधुनिक कार्यस्थल नहीं है। यह शासन की नई कार्य-संस्कृति का भी प्रतीक है। यहाँ की आधुनिक तकनीक और दक्ष कार्यप्रणाली के माध्यम से सरकार की कार्यक्षमता नई ऊंचाइयों तक पहुंचेगी। यहां से चलने वाली प्रत्येक फाइल, और यहां कार्य करने वाला प्रत्येक कर्मयोगी, इस भाव से प्रेरित होगा कि उसका कार्य देश के अंतिम व्यक्ति के जीवन को सरल बनाने से जुड़ा है। केंद्रीय मंत्रिमंडल यह संकल्प लेता है कि यह संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को प्रोत्साहित करेगा और सुधारों की उस निरंतर यात्रा को गति देगा, जिसे देश ने बीते वर्षों में अनुभव किया है।

यह पहली बैठक इस विश्वास को और सुदृढ़ करती है कि सही नीति, नेक नीयत और सही नेतृत्व से विकसित भारत के निर्माण का पथ निरंतर प्रकाशित होता रहेगा। 'सेवा तीर्थ' से संचालित कार्य-संस्कृति भारत को एक समर्थ, सशक्त और आत्मनिर्भर राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ाने का आधार बनेगी।

केंद्रीय मंत्रिमंडल, माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दूरदर्शी नेतृत्व में, 'सेवा तीर्थ' को संवेदनशील, उत्तरदायी और नागरिक-केंद्रित शासन का एक वैश्विक उदाहरण बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। मंत्रिमंडल यह संकल्प लेता है कि 2047 तक भारत को एक समृद्ध, समर्थ और आत्मनिर्भर राष्ट्र बनाने की यात्रा में यह परिसर राष्ट्रीय आकांक्षाओं का सशक्त केंद्र बनेगा।"

****

Cabinet

Azadi Ka Amrit Mahotsav

Seva Sankalp Resolution

A New Beginning in India's Development Journey

First Cabinet Meeting at 'Seva Teerth'

Posted On: 24 FEB 2026 1:58PM by PIB Delhi

Today, Yugaabda 5127
Vikram Samvat 2082
Shaka Samvat 1947
In the month of Phalguna, Shukla Paksha,
On the day of Ashtami,
On 24 February 2026,

Under the chairmanship of Hon'ble Prime Minister Narendra Modi, the historic first meeting of the Union Cabinet is being held at the new Prime Minister's Office, 'Seva Teerth'.

This meeting and this building are a direct expression of the reconstruction of New India. With this auspicious beginning, we welcome that future whose foundation has been laid by centuries of effort. After Independence, for so many decades, governments operated from the Prime Minister's Office in South Block, preserving the legacy and envisioning the future. We envisioned an India whose thought is indigenous, whose form is modern, and whose capability is boundless. Today, Seva Teerth is the embodied manifestation of that very vision, which will enhance India's pride as the Mother of Democracy.

On this occasion, we also remember the history of this place. 'Seva Teerth' has been constructed at the site of the temporary barracks from the British era. The establishment of an active institution of national governance at that location is also a symbol of the transformation of New India.

Before the period of colonial rule, India was known as a nation recognized both for its material grandeur and for its human values. The concept of Seva Teerth is formed from the confluence of both these ideals. With the sacred confluence of duty, service, and dedication, this workplace is envisioned to be as sacred as a pilgrimage, this is its fundamental spirit.

With this first meeting being held at 'Seva Teerth', the Union Cabinet reiterates its resolve that every decision taken here will be inspired by a spirit of service toward 1.4 billion citizens and will be connected to the broader goal of nation-building.

For us, constitutional values are the expression of that moral commitment which connects governance with the dignity, equality, and justice of every citizen. The work culture of 'Seva Teerth' will be guided by this very spirit, where every policy will be in accordance with the fundamental ethos of the Constitution and every decision will be accountable to the aspirations of the people.

The Union Cabinet reiterates its resolve that every decision taken in this premises will be inspired by the sentiment of 'Nagrik Devo Bhava'. This place will not be a center for the display of power, but rather a center for the empowerment of every Indian. Every effort of governance conducted from Seva Teerth will remain connected to the spirit of simplifying the life of the last person in the country. We reaffirm that, in line with our vision, we will further strengthen the governance model that is transparent, aware, and sensitive to the emotions of citizens.

'Seva Teerth' is the answer to the need for governance infrastructure that promotes dynamism instead of stagnation, dedication instead of indifference, and solutions instead of doubt.

With this very thinking, decisions taken in recent years under the leadership of Prime Minister Narendra Modi have brought new clarity to the purpose of governance. The changes witnessed in the lives of crores of citizens have strengthened public trust in governance.

In the past decade, by lifting more than 25 crores of citizens out of poverty, the country has achieved what was once considered impossible. Behind many such milestones have been the government's long-term vision, comprehensive outlook, and tireless efforts. Through Ayushman Bharat, the nation has achieved the distinction of connecting crores of people to health security. Under the Prime Minister Garib Kalyan Anna Yojana, food security has been ensured for nearly 80 crores of citizens, bringing an end to the scourge of hunger. Under the Swachh Bharat Mission, the construction of more than 12 crores toilets has provided crores of families and women with a life of dignity. All these figures indicate a direction of governance where the ultimate objective of policy has been to simplify the life of the citizen.

Similarly, through the construction of more than 40 million houses, crores of families have received shelter and security. Access to drinking water has been ensured to more than 12 crore new households in rural areas through Jal Jeevan Mission.

The Union Cabinet views the broad transformations in India's economy as a continuous journey of reforms. With the mantra of "Minimum Government, Maximum Governance," reforms such as GST, DBT, and Digital India have made governance more transparent, more efficient, and more citizen-centric. The process of faceless tax assessment has promoted honesty and strengthened the trust of ordinary citizens. As a result of these efforts, India today has secured a strong position among the world's leading economies.

The Cabinet takes a firm resolve that with the new energy of 'Seva Teerth' and the rapid pace of the 'Reform Express,' we will fulfill our commitment to secure India's place among the top three economies of the world in the near future.

Today, the Union Cabinet again dedicated itself to the national resolve of 'Viksit Bharat 2047'. This is a long-term national journey, in which the decisions taken today will determine the future shape of the coming generations. This first meeting at 'Seva Teerth' reminds us that the greater the goal of development, the deeper must be our sense of responsibility toward it.

This premise is not merely a modern workplace. It is also a symbol of a new work culture in governance. Through modern technology and efficient working systems here, the government's effectiveness will reach new heights. Every file that moves from here, and every karmayogi working here, will be inspired by the sentiment that their work is connected to simplifying the life of the last person in the country. The Union Cabinet resolves to promote prudent use of resources and accelerate the continuous journey of reforms that the country has experienced in recent years.

This first meeting further strengthens the belief that with the right policy, honest intent, and correct leadership, the path toward building a Developed India will continue to be illuminated. The work culture driven by 'Seva Teerth' will form the foundation for advancing India as a capable, empowered, and self-reliant nation.

Under the visionary leadership of Hon'ble Prime Minister Narendra Modi, the Union Cabinet reiterates its commitment to make 'Seva Teerth' a global example of sensitive, accountable, and citizen-centric governance. The Cabinet resolves that in the journey to make India a prosperous, capable, and self-reliant nation by 2047, this premise will serve as a powerful center of national aspirations.

****

MJPS/VJ/PKK

(Release ID: 2232058) Visitor Counter : 1322
Read this release in: Khasi , Urdu , हिन्दी , Marathi , Manipuri , Bengali , Bengali-TR , Assamese , Punjabi , Gujarati , Odia , Tamil , Telugu , Kannada , Malayalam